THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

दबंग वापसी
Bounce Back

Author From The Editors

The Christian Science Sentinel Vol. 112, No. 26, June 28, 2010

केविन मारटिन की कहानी को याद करो। आठ वर्ष पहले केनेडा का कलिगि मास्टर तथा राष्ट्रीय नायक अनुग्रह रहित हो गया। उसने साल्ट लेक सिटि 2002 के सर्दियों के ओलम्पिक में नार्वे के विरूद्ध हुए स्वर्ण पदक मैच में आखिरी बार 42 पाँऊड कर्लिंग स्टोन का पासा फैंका, जीतने के लिए केवल एक सामान्य पासे की जरूरत होते हुए। वह असफल रहा।

उसे फिर से करने का मौका नहीं मिला – वह समय के हाथों को वापिस नहीं मोड़ पाया। परन्तु केविन मारटिन को दूसरा मौका अवश्य मिला।

अगले आठ वर्षो तक उसने स्थिरता से कार्य किया, खेल के साथ जुड़े रह कर, अभ्यास करते हुए तथा मुकाबला करते हुए, कभी न छोड़ते हुए। इसमें बहुत मेहनत करने की तथा बहुत अधिक मानसिक सामर्थ्य की ज़रूरत पड़ी। इसका अर्थ था, आठ वर्षो तक बीते हुए समय के अफसोस तथा भविष्य की अनिश्चितता को सहन करना। परन्तु उस ने ऐसा किया । वह फरवरी 2010 के सर्दियों के ओलम्पिक में टीम केनेडा को गोल्ड मेडल मैच तक ले जा पाया और निर्णायक घड़ी में उसने जीत के लिए एक सर्वोत्तम कर्ल किया।

केविन मारटिन ने दबंग वापसी की

लोगों को निराशाओं तथा असफलताओं, घपला कर लिए गए अवसरों तथा विकट परिस्थितियों के मध्य क्या सहारा देता है? उन्हें दबंग वापसी करने में क्या सक्षम बनाता है, चाहे शीघ्रता से या समय के साथ प्रतिज्ञाबद्ध धैर्य से? लोगों को असफल उम्मीदों तथा चूर – चूर कर दी गई आकाक्षाओं को शीघ्रता से झाड़ देने में या विपत्ति में से धीरे – धीरे निकलने में क्या समर्थ बनाता है?

आत्मा! लोग विश्वव्यापी आध्यात्मिक विशेषताओं, पवित्र विशेषताओं पर केन्द्रित करते हैं तथा भरोसा करते हैं, जिनका न तो भौतिकता से उद्‌गम हुआ है न ही वे भौतिकता के अनुरूप हैं, अपितु वे जो आत्मा से उत्पन्न होती हैं, एक शब्द जिसे बाइबल में बड़े आकार में लिखा गया है, परमेश्वर को चिन्हित करने के लिए, जिस तरह जब यशायाह 'पवित्र आत्मा' के बारे में बात करता है (यशायाह 63:11, न्यू इंटरनेशनल वर्शन)। ये प्रतिभाशाली सेहत प्रदान करने वाली, शाश्वत विशेषताएं – जैसे कि लचीलापन, निडरता, दम तथा उम्मीद – प्रत्येक व्यक्तित्व की संरचना के जरिए अपना मार्ग बुन लेती है, उसे दिव्य तत्व प्रदान करते हुए, जिसे हम इंसानी प्रेरणा कहते हैं।

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2012 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

बाइबल के बारे में बात करते हुए, यह दबंग वापसी करने वाले आदर्श पात्रों के बारे में जानने के लिए सही ग्रंथ है–यह देखने के लिए कि किस तरह आध्यात्मिक सामर्थ्य के लिए आत्मा की ओर मुड़ना हमें विनाश या असफलता से बचा सकता है तथा एक पूर्ण परिवर्तन ला सकता है।

जोसॅफ को ही लो, एक जवान हीबऊ लड़का। अपने 'कई रगों के कोट' से वंचित कर दिया गया और अपने स्वयं के भाइयों द्वारा गड्डें में फैंक दिया गया, इसके बाद जोसॅफ को दासत्व के लिए बेच दिया गया। उसने कई वर्षों तक दासता तथा प्रवाड़ना सही। शायद उसे उलझन, नाराजगी, निराशा, चोट खाए हुए आत्मसम्मान के दर्द तथा जख्मी अहम का सामना करना पड़ा और इन में से गुजरना पड़ा साथ ही साथ ऐसी बहुत सारी भावनाओं से जो कोई भी महसूस करेगा जब उसके साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किया जाए।

लेकिन जोसॅफ उस गड्डे में से निकला तथा आखिरकार बहुत अधिक प्रभाव तथा सेवा के एक पद तक उन्नत हो गया–एक पद जो राज के बाद दूसरा था।

जोसॅफ ने दबंग वापसी की।

''दोस्त धोखा देंगे तथा दुश्मन निन्दा करेंगें, जब तक कि यह सबक तुम्हें उत्कृष्ट करने के लिए काफी न हो; क्यों कि 'मानव की अतिश्योक्ति परमेश्वर का अवसर' होता है,'' मेरी बेकर एडी ने अलौकिक बूद्धिमता के साथ साँयस एंड हैल्थ के पृष्ठ 266 पर लिखा। जो कुछ जोसॅफ ने अपनी डुबकियों, उलझनों के साथ सीखा, परन्तु अंत में सदा ऊपर उठते हुए रास्ते ने उसे उत्कृष्ट किया। और हम भी सभी–अपने जीवन के सबक से काफी कुछ सीख सकते हैं, उत्कृष्ट होने के लिए और इस तरह संतुलन, शाँति तथा स्वतन्त्रता बनाए रखते हुए। इसलिए कि जिस भी अतिश्योक्ति का हम सामना करते है वह हमें दिव्य आत्मा की अपनी शक्ति को अनुभव करने का अवसर प्रस्तुत करती है–हम सब की एक विश्वव्यापी आत्मा–बचाने के लिए, आश्रय प्रदान करने के लिए तथा किसी भी परिस्थिति को अनुकूल बनाने के लिए जो हमारी प्रगति में बाधा कनती है।

आध्यात्मिक तौर पर, प्रत्येक इंसान एक शाश्वत पदवी का आनन्द लेता है, दिव्य जीवन (परमेश्वर) की एक पूर्णतः विकसित, अनश्वर अभिव्यक्ति की तरह, पहले से ही पूर्ण सहारे के साथ तथा संतुष्ट–अपतित। जब आप अपने बारे में तथा दूसरों के बारे में इस आध्यात्मिक वास्तविकता को जान लेते हो, इंसानी जीवन का राजमार्ग इस तरह के मार्गों में खुल जाता है जो आपको उस वास्तविकता को पूरी तरह अनुभव करने देते हैं। सुखद यात्रा, गहन आध्यात्मिक विकास का समय बन जाती है, इंसानी चरित्र को ढालने का और यदि अवश्यक हो तो वापिस आने के लिए ज़रूरी व्यवहारिक निपुणताओं को बढ़ाने का–चाहे उस वापसी में सम्पन्नता की ओर वापिस जाना हो, अवसर की ओर, उत्पादकता की ओर, आत्मसम्मान की ओर सफलता की ओर, निर्मलता की ओर, खुशी की ओर या सेहत की ओर।

यात्रा में शायद समय लगें। केविन मरटिन को आठ वर्ष लगे। जोसॅफ को लगभग 13 वर्ष लगे और 'रक्तस्राव के साथ' स्त्री को जिसे जीसस ने स्वस्थ किया था, 12 वर्ष लगे। धैर्य और स्थिरता? आवश्यक है। परन्तु निष्ठा केवल एक क्षण में शुरू हो सकती है। अभी। मन में एक परिवर्तन के साथ। नीचे गिराने वाले इंसानी दृष्टिकोण से, एक ऊपर उठाने वालो दिव्य नज़रिये तक स्थानान्तरित होते हुए, एक आग लग सकती है ओर तुम्हारी नवीनीकरण के मार्ग पर शुरूआत करवा सकती है।

Translation © 2012 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

इसलिए यदि तुम किसी विकट परिस्थिति या किसी प्रकार की हानि का सामना कर रहे हो–चाहे वह खेल–कूद से संबधित हो, व्यापार से, परिवार से, एक नौकरी से या सेहत से–तुम दूसरे मौके से सीख सकते हो, दबंग वापसी करने वाले नायको से (मित्रों तथा पड़ौसियों सहित) जिन्होंनें आपसे पहले ऐसा किया है। तुम दिव्य शक्ति को उतनी ही निश्चितता से बुलावा दे सकते हो जिस तरह एक सितारे की चमक सितारों की शक्ति को बुलावा दे सकती है। तुम अनश्वर **मन** की प्राप्ति को महसूस कर सकते हो, दिव्य **जीवन** के प्रेरक को, **आत्मा** की ऊर्जा को–**परमेश्वर** को आप ने ''प्रत्येक विकट परिस्थिति का उसके स्वामी की तरह सामना करने'' की शक्ति का नवीनीकरण करते हुए, (साँयस एण्ड हैल्थ पृष्ठ 419)।
जिसका अर्थ है :

तुम दबंग वापसी कर सकते हो।

Translation © 2012 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.